

नामांक

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

No. of Questions — 14

**SS—26—Raj. Sah.**

No. of Printed Pages — 7

**उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2014**  
**SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2014**

**राजस्थानी साहित्य**  
**( RAJASTHANI SAHITYA )**

समय : 3  $\frac{1}{4}$  घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों सारू सामान्य निर्देश :

- (1) परीक्षार्थी सबसूं पैली आपरै प्रस्न पत्र माथै नामांक जरूर लिखे ।
- (2) सगला सवाल करना जरूरी है ।
- (3) हरेक सवाल रौ पडूत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणो है ।
- (4) र्जिण सवाल रा अेक सूं अधिक भाग है तो वां सगळा रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ ।
- (5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करियां ज्यादा अंक दिरीजैला ।
- (6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राखौ अर ओपतौ पडूत्तर देवौ ।
- (7) उत्तर राजस्थानी भासा में ईज देवणा है ।
- (8) पूर्णांक अर प्रस्नांक ठावी ढौड़ अंकित है ।

1. नीचै लिख्या गद्यावतरणां री सप्रसंग व्याख्या करो —

(क) स्वामी जी रौ माथो अेक्दम घूमग्यो, बै अेक ही बात कैवता फिरै म्हारी संस्था बिगड़गी । म्हूं आदमी बणाणै सारू आ साधना करी, अठै तो हैवान त्यार होवण लागग्या अर बै आपरी कुटिया सूं निकळग्या, संस्था सूं निकळ्या । बीं नगर सूं निकळग्या, गाड़ी में बैठग्या, चालता रह्या । वारै मन में शांति कोनी, चैन कोनी, शांति दूढता फिरै, गांव गांव, नगर-नगर ।

**अथवा**

म्हारां बाबूजी पैलाई करजा में कळीज रहया है नै हमै फेर अै उणां नै पूरा ई डुबावणी चा । वै सो अै काम सगा-गनायतां रा नही । अै तौ दुस्मणां जैड़ा काम है इण रै वास्तै म्है जीवती माखी नहीं गिटूला अर म्हनै चाहै जिता दुख देखणा पडै, पण म्है यां लोगां रै पानै नीं पडूला । ओ ब्या' व म्है रद्द करूं हूं ।

4

(ख) दिवलो चसै, उजास करै । सही: पण कुणनै सरावां ? दिवलो स्नेह रै पाण बळै, पण स्नेह परायो । घाणी में तो विचारा तिल पिसै, स्नेह रस रो दान करै । बाती भी रूअड़ री । तो पराई कुरबाणी रै पाण जो जस रो चानणो होवै उण में काळंस लागणी ही चाहीजै । त्याग में कपट रौ कळंस सदा ही लागै । तो कपट रो ही नाम है माया ।

**अथवा**

रामू-नै छाती लगायां रामजस खाटली में पड़यो-पड़यो आपरी जिंदगानी री पोथी  
 रा लारला पाना उथलै, नींद भी मुंढा देख-देख टीका काढ़ै । भागी लोगां नै बिना लोरी  
 नींद आवै । अै तो भागियां री रातां है जकी पसवाड़ा फेरतां-फेरतां काटणी ओखी  
 हुज्याय । रामजस नींद रा भोत-नौरा काढ्या । बाकी नींद तो दूर, आंख्या सळ ही को  
 पड़ै नीं ।

4

- (ग) आपां नै अठै निकी सुख-सांती दीखै है, चोखा-चोखा मन में मोवणिया चित्राम दीखै है,  
 बे सगळा तो कोरा चिलकारा है । छिन में अदीठ होवण आळा है । हिथै री  
 आंखड़ल्या सूं जोवो थानै रिंद रोही-रिंद रोही दीखैली । इण सुख मांय कोरो दुख है ।  
 आपां मांय पीड़ा है । आ पीड़ा कदेई कोनी मरै, अजर है, अमर है ।

### अथवा

फेर बे जीवण अर जगत रौ जाणै मरम जाण लियौ । सैंग विरथा है । पाप-पुत्र, चोखो-  
 कोजो, काळो-धोळो सैंग बिरथा । अेक फालतू पणै रौ पड़दो सगळा रै आगे है ।  
 जीवण रै चरम सार रूप में मिळै है अेक पीड़ । अणंत पीड़ । ..... रंग-रगीली,  
 रूपाली, फूताळी पीड़ । पीड़ावां रो ई समन्दर है ओ जीवण ।

4

2. कहाणी रा तत्वां रै आधार माथै 'सूरज री मौत' कहाणी री समीक्षा करौ । 4
3. मुहणोत नैणसी रौ चरित्र-चित्रण करौ । 4
4. देश बदळया सूं कांई आदमी रौ मन बदळ जावै ? जातरा संस्मरण सूं उदाहरण देय'र खुलासौ करौ । 4
5. 'हूं गोरी किण पीव री' उपन्यास मांय किण-किण सामाजिक समस्यावां ने उजागर कीवी है ? स्पष्ट करौ । 4
6. आधुनिक राजस्थानी काव्य में प्रगतिशील काव्यधारा रौ परिचय दिरावौ । 6
7. नीचै लिख्यां विसयां मांय सूं किणी अेक विषय माथै राजस्थानी भासा में निबन्ध लिखौ : 6
  - (i) राजस्थानी लोक-गीत
  - (ii) बेरोजगारी अर निराकरण रा उपाय
  - (iii) रंगिलो तिंवार-होळी
  - (iv) पेहलो सुख निरोगी काया ।

8. नीचे लिख्यां पद्यासां री सप्रसंग व्याख्या करो :

(अ) प्रभू मोकुँ एक बेर दरसन दइये ।

तुम कारन में भइ रे दिवानी, उपहास जगत की सहिये ॥

हाथ लकुटिया कांधे कमळिया, मुख पर मुरली बजैये ॥

हीरा मानिक गरथ भंडारा, माल मुलक नहिं चाहिये ॥

गवरी के ठाकर सुख के सागर, मेरे उर अन्तर रहिये ॥

5

**अथवा**

हिम्मत कीमत होय, बिन हिम्मत कीमत नहीं ।

करे न आदर कोय, रद कागद ज्यूं राजिया ॥

कारज सरै न कोय, बल-प्राक्रम-हिम्मत बिना ।

हलकार्यां की होय, रंग्या स्याळ्या राजिया ॥

(ब) आ परदेसण पांवणीजी, पुळ देखै नी वेळा

आलीजा रा आंगणै में करै मनां रा मेळा

झिरमिर गीत सुणाती भोळै मनडै नै भरमाती

छळती आवै बिरखा बीनणी ।

5

**अथवा**

थें करी असांयत आसरा ।

थिर सांयत थापवा सारू,

थारी बाढाळी खळकाया -

रगत-वाळा,

क्ररूण आंखियां ढळता -

अरूण-आंसू ढाबवा सारू ॥

9. वीर सतसई रा पठित छंदा रै आधार माथै वीर-नारी रै मनगत-भावां रो बखाण करो । 5

10. 'सपनो आयो' कविता रै माध्यम सू कवि लोगा ने कोई संदेश दियौ है ? 5

11. 'कतनी बार मंरू' कविता रो मूल भाव आपरा सबदां में लिखो । 5
  12. काव्य री परिभाषा देवतां उठा रै भेदां रौ खुलासो करौ । 5
  13. कुंडळिया छन्द रौ उदाहरण सागै परिचय दिरावौ । 5
  14. उपमा अलंकार री परिभाषा उदाहरण सागै समझावौ । 5
-